

//-- सुविवार --//

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

आज

बेबाक

झुंकीती है दुनिया झुकने वाला चाहिए... यह संवाद अब बासी पड़ गया है। इसकी जगह पुष्पा का फिल्मी डायलॉग- मैं झुकेगा नहीं साला... का जादू लोगों के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। राजनीतिज्ञों ने भी अब गैंगस्टर की जुबान बोलना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में अल्पमत में आ चुकी महाअघाड़ी सरकार के मुखिया उद्धव ठाकरे अभी भी बागियों के सामने गिड़गिड़ा रहे हैं- मान जाइए, मान जाइए बात मेरे दिल की जान जाइए...। वहीं उनके पितहःसालार संजय राउत बागियों को धमकाते हुए यह डायलॉग मार रहे हैं- मैं झुकेगा नहीं। अच्छा है। मत झुको। फ्तोर पर फिसलो।

सूर्योदय
उदय : 5.26 प्रातः
अस्त : 7.24 संध्या
जनसंख्या
विश्व : 7,957,191,600
भारत : 1,407,539,618
बाजार
संसेक्स : 53026.97
निफ्टी : 15799.10
गोल्ड : 51,000 प्रति 10 ग्राम
चांदी : 59,400 प्रति किग्रा
अण्डा दर : 5.51 प्रति नग

आज का दिवस

सोशल मीडिया डे

सोशल मीडिया डे हर साल 30 जून को मनाया जाता है। आज के समय में बहुत कम ऐसे लोग हैं जो सोशल मीडिया पर पविट्र नहीं हैं। बता दें कि इस दिन की शुरुआत दुनियाभर में 30 जून 2010 को हुई थी। तब से इस दिन को विश्व सोशल मीडिया दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। अब सवाल ये है कि इस दिन की शुरुआत क्यों की गई? बता दें कि उस समय सोशल मीडिया का प्रभाव लोगों पर ज्यादा नहीं था। ऐसे में पूरे विश्व में इसके प्रभाव और वैश्विक संघार में इसकी भूमिका को हड़लाइट करने के लिए विश्व में सोशल मीडिया दिवस मनाया जाने लगा। दुनियाभर में सबसे पहले पला: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्विक्सडिजी लांच किया गया था, जो कि 1997 में किया गया था। इस प्लेटफॉर्म की स्थापना एंड्रयू वेनरिये द्वारा की गई थी। वहीं साल 2001 में इसके दस लाख से अधिक यूजर थे उसके बावजूद भी इसे बंद कर दिया गया।

अग्निवीर बीजेपी के लोग, उन्हें मैं क्यों नौकरी दूँ

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अग्निपथ योजना पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अग्निवीरों को भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बताया है। साथ ही उन्हें नौकरी में प्राथमिकता देने से इनकार किया है। उन्होंने केंद्र की तरफसे मिले एक पत्र के जवाब में यह प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले भी सीएम बनर्जी भाजपा पर अग्निपथ योजना के जरिए सशस्त्र कैडर तैयार करने के आरोप लगा चुकी हैं।

मंगलवार को एक कार्यक्रम

केंद्र की चिट्ठी पर ममता का जवाब



के दौरान सीएम बनर्जी ने कहा, 'मुझे एक पत्र मिला है (केंद्र की तरफ से) जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से अग्निवीरों को 4 साल के बाद नौकरी देने की अपील की

है। वे चाहते हैं कि मैं भाजपा कार्यकर्ताओं को नौकरी दूँ... हमें ऐसा क्यों करना चाहिए?... पहली प्राथमिकता प्रदेश के युवाओं को दी जाएगी।'

अग्निपथ योजना को बताया था कचरे का डिब्बा: पहले भी सीएम बनर्जी ने अग्निपथ योजना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा था। केंद्र के पत्र को लेकर उन्होंने कहा था, 'सशस्त्र बलों के एक कर्नल ने हाल ही में **शेष पृष्ठ 7 पर**

सियासी संग्राम के बीच औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदला

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच राज्य कैबिनेट ने बुधवार शाम अहम फैसला लिया। उद्धव कैबिनेट ने औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर और उस्मानाबाद का नाम बदलकर धाराशिव करने को मंजूरी दी है। इसी तरह नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम बदलकर डीबी पाटिल इंटरनेशनल एयरपोर्ट करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। राज्य मंत्री अनिल परब ने कल इसे लेकर बयान भी दिया था। उन्होंने कहा था कि औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

आज कैबिनेट में हुए इस फैसले से कांग्रेस और एनसीपी नाखुश है। उद्धव कैबिनेट का यह अहम फैसला ऐसे वक्त पर आया है जब महाराष्ट्र सरकार पर सियासी संकट के बादल छाए हुए हैं। शिवसेना से करीब 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ जा चुके हैं। राज्यपाल ने विधानसभा में 30 जून को बहुमत परीक्षण के निर्देश दिए हैं और इसी पर सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हो रही है। शाम 7 बजे तक इस मामले में देश के सर्वोच्च न्यायालय में दोनों पक्षों की दलील जारी थी।

रामलला के दर्शन करने अयोध्या आने वाले भक्तों को मिलेगी तिरुपति बालाजी मंदिर जैसी सुविधा

अयोध्या (ए.)। अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर के दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को तिरुपति बालाजी जैसी सुविधा मिलेगी। राम मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए तिरुपति जैसी व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से एक प्रतिनिधिमंडल तिरुपति भेजा गया है ताकि वो वहां जाकर पूरी व्यवस्था का अध्ययन कर सकें। गौरतलब है कि रामलला के पक्ष में आए कोर्ट के फैसले के बाद से अयोध्या राम मंदिर में दर्शनों के लिए आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या

लगातार बढ़ती जा रही है। सामान्य दिनों में हर रोज 20 से 25 हजार लोग रामलला के दर्शनों के लिए आ रहे हैं। वहीं किसी खास मौके पर ये संख्या बढ़कर एक लाख से ज्यादा हो जा रही है। माना जा रहा है कि मंदिर बनने के बाद हर दिन 75 हजार से 1 लाख लोग हर रोज रामलला के दर्शन के लिए आएं वहीं विशेष मौकों पर ये भीड़ 2 से 3 लाख तक भी पहुंच जाएगी। ऐसे में मंदिर प्रशासन ये सुनिश्चित करना चाहता है कि भारी भीड़ के बावजूद लोगों को दर्शन में कोई तकलीफ न हो।

ओवैसी के चार विधायक आरजेडी में हुए शामिल



बृ **बीजेपी फिर दूसरे नंबर पर पहुंची**

पटना (ए.)। बिहार विधानसभा में आरजेडी फिर सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के चार विधायकों के

शामिल होने के बाद आरजेडी के कुल एमएलए की संख्या 80 हो गई है। तेजस्वी यादव की मौजूदगी में AIMIM के चार विधायकों ने बुधवार को आरजेडी की सदस्यता ली। वहीं, बीजेपी फिर से दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। **दु शेष पृष्ठ 7 पर**

दैनिक

आदिवासी तमिस्र परगना

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नावप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर

2 | आंचलिक

4 | अभिव्यक्ति

6 | आंचलिक

7 | छत्तीसगढ़

RFNI NO.MPHIN/2017/72749

भोपाल, गुरुवार 30 जून 2022, कृष्ण पक्ष पूर्णिमा, विक्रम संवत-2079 वर्ष-06 अंक-67 पृष्ठ-08 मूल्य 4 रुपये

भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

उद्योगों में स्थानीय युवाओं के नियोजन को दें प्राथमिकता : सीएम चौहान

मुख्यमंत्री ने निवेश संवर्धन समिति की बैठक में दिये निर्देश

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उद्योगों की स्थापना और पुरानी औद्योगिक इकाइयों के कार्य में जनजाति बहुल क्षेत्रों में जनजाति वर्ग के पात्र बेटे-बेटियों को रोजगार का अवसर दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर निवेश संवर्धन पर मंत्रि- परिषद समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थापित होने वाली नवीन इकाइयों को प्रावधान अनुसार दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी आवश्यक

इकाइयों की स्थापना पर उद्योग नीति के प्रावधानों के अनुसार भरपूर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों में जनजाति बहुल क्षेत्रों में जनजाति वर्ग के पात्र बेटे-बेटियों को रोजगार का अवसर दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर निवेश संवर्धन पर मंत्रि- परिषद समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थापित होने वाली नवीन इकाइयों को प्रावधान अनुसार दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी आवश्यक



निर्देश दिए। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में नीमच जिले के भीमपुरा में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सात हजार करोड़ रूपए की लागत से देश में अपनी तरह के दूसरे संस्थान की स्थापना और

धार जिले के मनावर में सीमेंट संयंत्र की इकाई के विस्तार सहित अन्य निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बताया गया कि मनावर संयंत्र की लागत 975 करोड़ रूपए है। वर्तमान में संयंत्र से एक हजार व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा है। इकाई के विस्तार होने पर 300 अतिरिक्त लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीति अंतर्गत आवश्यक सुविधाएं देने के निर्देश प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय कुमार शुक्ला को दिए।

उदयपुर हत्याकांड पर राजसमंद में तनाव

पुलिस और प्रदर्शनकारी भिड़े, पुलिसकर्मी गंभीर



उदयपुर (ए.)। उदयपुर में हुए हत्याकांड के बाद राजसमंद में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। यहां भीम कस्बे में पुलिस और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। इस घटना में पुलिसकर्मी की हालत गंभीर है। उन्हें पहले ब्यावर और फिर ब्यावर से अजमेर रेफर किया गया है। कस्बे में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिसकर्मी को अजमेर के जेलएन अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल के बाहर भारी तादाद में पुलिस बल तैनात है। दरअसल, प्रदर्शनकारी उदयपुर में हुई कन्हैयालाल की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान ही पुलिस ने की प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की **शेष पृष्ठ 7 पर**

उदयपुर घटना की जांच अब एनआईए करेगी-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच अब राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसी (एनआईए) करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आज यहां उदयपुर की घटना पर ली गई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में यह फैसला किया गया। श्री गहलोत ने इस बारे में सोशल मीडिया पर बताया कि उदयपुर की घटना पर आज उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने दू शेष पृष्ठ 7 पर

कट्टरपंथियों की क्रूरता झेल कन्हैया विदा गम और गुस्से के बीच अंतिम संस्कार



उदयपुर। उदयपुर में कट्टरपंथियों की क्रूरता झेल दुनिया छोड़ चुके कन्हैयालाल का शरीर भी पंचतत्व में विलीन हो गया है। गम और गुस्से जाहिर करते हुए उमड़े लोगों ने नम आंखों के साथ कन्हैयालाल को अंतिम विदाई दी। अशोक नगर स्थित श्मशान घाट पर कन्हैया का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरा लोग कन्हैया अमर रहे, हथारों को फांसी दो जैसे नारे लगाते रहे। कन्हैया के बड़े बेटे ने पिता को मुख्याग्नि दी। उदयपुर के सात थाना क्षेत्रों में कपड़ों के बावजूद कन्हैया की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग उमड़े। **दु शेष पृष्ठ 7 पर**

बीजापुर में नक्सलियों ने की सरपंच की हत्या

बीजापुर, (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में एक सरपंच की हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि माओवादियों ने तोयनार थाना क्षेत्र के मोरमेड गांव के सरपंच पतिराम कुडियम की कल हत्या कर दी है। धारदार हथियार से गला रेत कर सरपंच को मारा गया है। शव को गांव के पास ही फेंक दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मामले की तत्दीक कर रही है।

मुकेश अंबानी का सुरक्षा विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने लगाई त्रिपुरा हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

नयी दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष मुकेश अंबानी और उनके परिवार को केंद्र सरकार की ओर से दी जा रही सुरक्षा से संबंधित विवरण मांगने के मामले में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के फैसले को अगले आदेश तक बुधवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की



अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रोक संबंधी यह आदेश पारित किया।पीठ ने सोमवार को

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के 'विशेष उल्लेख' पर उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र की याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की थी।शीघ्र अदालत ने श्री अंबानी की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाली एक जनहित याचिका पर त्रिपुरा उच्च न्यायालय की ओर से जारी एक आदेश के खिलाफ शीघ्र सुनवाई करने की गुहार स्वीकार की थी।

यूपी-बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 27 लोगों की मौत

दु 16 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी और उमस के बाद बीते दिन से कुछ राज्यों में बारिश होने से लोगों को राहत मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश के साथ वज्रपात से दर्जनों लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घालय हो गए। दोनों राज्यों में अलग अलग घटनाओं में 27 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग ने बिहार और यूपी सहित आसपास के इलाकों में आंधी

गरज, वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा अगले 24 घंटों के लिए देश की राजधानी दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, चंडीगढ़ सहित 16 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। **बिहार में वज्रपात से 16 की मौत:** बिहार में मौसम कहर से करीब डेढ़ दर्जन लोगों की मौत हो गई। राज्य के सात जिलों में वज्रपात की वजह 16 लोगों की जान चली **दु शेष पृष्ठ 7 पर**

गरसा-गरम

RJD ने AIMIM के चार विधायक तोड़े

सियासी संग्राम के बीच औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदला

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच राज्य कैबिनेट ने बुधवार शाम अहम फैसला लिया। उद्धव कैबिनेट ने औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर और उस्मानाबाद का नाम बदलकर धाराशिव करने को मंजूरी दी है। इसी तरह नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम बदलकर डीबी पाटिल इंटरनेशनल एयरपोर्ट करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। राज्य मंत्री अनिल परब ने कल इसे लेकर बयान भी दिया था। उन्होंने कहा था कि औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजी नगर किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

रामलला के दर्शन करने अयोध्या आने वाले भक्तों को मिलेगी तिरुपति बालाजी मंदिर जैसी सुविधा

अयोध्या (ए.)। अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर के दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को तिरुपति बालाजी जैसी सुविधा मिलेगी। राम मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए तिरुपति जैसी व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से एक प्रतिनिधिमंडल तिरुपति भेजा गया है ताकि वो वहां जाकर पूरी व्यवस्था का अध्ययन कर सकें। गौरतलब है कि रामलला के पक्ष में आए कोर्ट के फैसले के बाद से अयोध्या राम मंदिर में दर्शनों के लिए आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या

ओवैसी के चार विधायक आरजेडी में हुए शामिल

बृ **बीजेपी फिर दूसरे नंबर पर पहुंची**

पटना (ए.)। बिहार विधानसभा में आरजेडी फिर सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के चार विधायकों के शामिल होने के बाद आरजेडी के कुल एमएलए की संख्या 80 हो गई है। तेजस्वी यादव की मौजूदगी में AIMIM के चार विधायकों ने बुधवार को आरजेडी की सदस्यता ली। वहीं, बीजेपी फिर से दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। **दु शेष पृष्ठ 7 पर**

[illegible]

चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे प्रत्याशी मतदाताओं को खिझाने की हलों संभव कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक दूर का सिक्रियता भी तेज हो सभाएं, रोड-शो जारी हैं, लेकिन इन चुनावों में बड़े मुद्दे दरकिनार हैं। न युवाओं की बात हो रही है, न रोजगार का, किसान और कर्मचारी भी चर्चा में नहीं हैं। स्थानीय मुद्दे भी गायब ही हैं। चुनावी सभाओं में नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप जरूर लगाते हैं, लेकिन मुद्दों के मामले में गंभीर नहीं दिखते। बड़े लोगों ने तो इस चुनाव के लिए घोषणा-पत्र पेश करने का वादा किया था, लेकिन कोई भी सकल अभी तक घोषणा पत्र पेश नहीं कर सका।

जांच में पारिवारिक विवाद सामने आया है। जतरा थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका रामदेवी का मायका चिक्कूट का है। माता पिता के आने के बाद ही पोस्टमार्टम कार्रवाया जाप्ला। फिलहाल चारों के शवों को जतरा स्वास्थ्य केंद्र में रखा गया है। राम देवी के पति काशीराम का उसके बड़े भाई कल्लू से बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार को इसे लेकर समाजिक पंचायत भी बुलाई गई थी। दिनभर पंचायत चली। इस दौरान काशीराम का कल्लू से विवाद हुआ। जिसके बाद रात करीब 8 बजे काशीराम अपने पिता के साथ शिकायत करने थाने गया था।

<



कटघरे में राजस्थान सरकार

उदयपुर में दिन दहाड़े एक टेलर कन्हैया की दो लोगों ने जिस बेरहमी से हत्या की है उसे लेकर राजस्थान में बवाल खड़ा हो गया है। कन्हैया का गुनाह बस इतना था कि उसने नूपुर शर्मा के पक्ष में फेसबुक पर एक पोस्ट डाला था। इससे नाराज होकर मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौश नामक दो लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। कन्हैया ने पुलिस में इसकी शिकायत की थी और अपनी सुरक्षा की मांग की थी लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया। उसके बाद भी कन्हैया एक सप्ताह तक डर की वजह से अपनी टेलरिंग शॉप नहीं खोल रहा था लेकिन जैसे ही उसने अपनी शॉप खोली तो दोनों आरोपियों ने दुकान में घुस कर उसकी गला रेत कर हत्या कर दी। आरोपियों ने बाकायदा इस पूरी घटना का विडियो बनवाया और उसे वायरल भी किया। उन दोनों आरोपियों ने विडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी धमकी देने का दु:साहस किया है। बहरहाल गुजरात पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और इस मामले की जांच के लिए एनआईटी का गठन भी कर दिया है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र सरकार ने एनआईए की टीम को जांच के लिए राजस्थान खाना किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना की निंदा जरूर की है और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन भी दिया है लेकिन इसके साथ ही उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा है और यह कहा है कि पीएम मोदी देश में सांप्रदायिक माहौल बेहतर बनाने के लिए कोई अपील क्यों नहीं करते हैं। इसके पूर्व भी राजस्थान में लगातार इस तरह की घटनाएं होती रही है और माहौल बिगड़ता रहा है। उस दौरान भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ही शांति की अपील करने की बात करते रहे हैं। यदि सब कुछ प्रधानमंत्री को ही करना है तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत किस मर्ज की दवा है। राजस्थान में अपराधियों के हौसले बुलंद है तो इसके लिए वहां के मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। इस मामले में भी यदि पुलिस ने मृतक कन्हैया की शिकायत को गंभीरता से लिया होता तो वह आज जीवित होता। चूँकि हथारों ने इस घटना के बाद पीएम मोदी को भी धमकी दी है इसलिए अब एनआईए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर रही है। एनआईए को राजस्थान पुलिस की भूमिका की भी जांच करनी चाहिए और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। बहरहाल उदयपुर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और वहां के सात थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और पूरे राजस्थान में थारा 144 लागू कर दी गई है। इस घटना को लेकर अग्र्रीय स्थिति पैदा न हो इसके लिए राज्य सरकार को एहतियाती कदम उठाने चाहिए।

कविता

अमेरिका में गर्भपात पर हंगामा

अमेरिका में इधर दो बड़े फैसलों ने हड़कंप मचा रखा है। एक तो बंदूक रखने पर कुछ नई पाबंदियों के कारण और दूसरा गर्भपात पर प्रतिबंध के कारण। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के इन दोनों फैसलों को लेकर वहां कई प्रांतों में प्रदर्शन हो रहे हैं और उनका डटकर विरोध या समर्थन हो रहा है। बंदूक पर प्रतिबंधों का उतना विरोध नहीं हो रहा है, जितना गर्भपात पर प्रतिबंध का हो रहा है। 1973 में गर्भपात की अनुमति का जो फैसला अमेरिका सर्वोच्च न्यायालय ने दिया था, उसे सर्वोच्च न्यायालय ने उलट दिया है। 6 और 3 जजों की इस फैसले के पीछे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त रूढ़िवादी जजों का बहुमत में होना है। अब अमेरिका में जो भी राज्य रूढ़िवादी या रिपब्लिकन या ट्रंप-समर्थक हैं, वे इस कानून को तुरंत लागू कर देंगे। इसका नतीजा यह होगा कि महिलाओं को अपने शरीर के बारे में ही कोई मौलिक अधिकार नहीं होगा। लगभग एक दर्जन राज्यों ने गर्भपात पर प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। कोई भी महिला 15 हफ्तों से ज्यादा के गर्भ को नहीं गिरवा सकती है। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो भयंकर बताया ही है, सारे अमेरिका में इसके विरुद्ध विश्वीय फैल गया है। यूरोपीय राष्ट्रों के प्रमुख नेताओं ने इस फैसले की कड़ी निंदा की है। अमेरिका की नामी-गिरामी कंपनियों ने उनके यहां कार्यरत महिलाओं से कहा है कि वे गर्भपात के लिए जब भी किसी अन्य अमेरिकी राज्य में जाना चाहें, उन्हें उसकी पूर्ण सुविधाएं दी जाएंगी। अमेरिका के 13 राज्यों में गर्भपात की अनुमति आज भी है। अमेरिका में संघीय व्यवस्था है। इसीलिए उसके राज्य केंद्रीय कानून को मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन अमेरिका के केशोलीक संप्रदाय के पादरी इस गर्भपात पर प्रतिबंध का स्वागत कर रहे हैं। वैसे भी आजकल यूरोप और अमेरिका में स्त्री-पुरुषों के बीच अवैध शारीरिक संबंधों का चलन इतना बढ़ गया है कि गर्भपात की सुविधा के बिना उनका जीना दूभर हो सकता है। इसके अलावा गर्भपात की सुविधा की मांग इसलिए भी बढ़ गई है कि चोरी-छिपे गर्भपात करवाने पर गर्भवती महिलाओं की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते हैं, जिनमें 37000 महिलाओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। अब गर्भपात पर प्रतिबंध लगने से इस संख्या में वृद्धि ही होगी। यूरोप के कई देश गर्भपात के अधिकार को कानूनी रूप देने के लिए तत्पर हो रहे हैं। भारत में 24 हफ्ते या उसके भी बाद के गर्भ को गिराने की कानूनी अनुमति है बशर्ते कि गर्भवती के स्वास्थ्य के लिए वह जरूरी हो। भारतीय कानून अधिक व्यावहारिक है।

पाठकों की बात

गजब अब के बरस

गजब अब के बरस पानी गिरा है , न जाने क्यूं खुदा हमसे खफा है । कभी पैसों कि अब होने लगी है , हमारा शौक बढ़ते जा रहा है । किनारों से मुझे डर लगता है अब समंदर ,मेरी कसती का खुदा है । मुझे अब वस्ल की चाहत नहीं है, विरह का स्वाद जीव्हा में लगा है । मनेगी कैसी मेरी ईद दानी, तेरे दिल का क़मर तो बेहया है।

– डा संजय दानी

तेरे कांधे से सिर

तेरे कांधे से सिर टिकाया था क्या ज़माना वो ख़ूब आया था चूम के तुमने मेरे माथे को बेहिकच गले से लगाया था दिल ने ख़ामोशियाँ सुनी थी बस कोई कुछ बोल कहीं पाया था बेजुबां धडकनों ने समझा था तुमने जितना भी कुछ छुपाया था हँसो इंतज़ाब है अब भी तू मगर लगता अब परया था।

– नीरू श्रीवास्तव

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

.खास पत्नी |

सरपट दौड़ रही थी ट्रेन और



सरपट दौड़ रही थी ट्रेन और पीछे छुटता जा रहा था सब कुछ हम आगे जा रहे थे या पीछे जा रहे थे दरखुस्त खेत जंगल पहाड़ या यूँ ही खाली पड़े मैदान ठीक उसी तरह जैसे भागती है जौंदगी और पीछे छूटते रहते हैं जीवन के उतार -

चढ़ाव सुख-दु:ख हँसना रोना रूठना मानना इन्ही नदी नालों पुल जंगल और पहाड़ों की तरह भिन्न-भिन्न और दौड़ती जाती है जिन्दगी मजिल का ओर ट्रेन तो रूक जायेगी अपने गन्तब्य पर जाकर पर जीवन का गन्तव्य है किस ओर हे प्रप अपनी कृपा दृष्टी बनाये रखना हम नित्य प्रतिदिन बढ़ रहे हैं तेरी ही ओर डे़जी बस थोड़ा और इंतज़ार..हम आ रहे हैं तुम्हारी ही ओर। – **डे़जी जायसवाल**



सकती, दु:ख पास आणा ही नहीं। – **मोना सेन गुप्ता**

कइसे आँखी ल फरका के

कइसे आँखी ल फ़का के नियोर दिये रे बादर मोर धनहा-डोली के आसल ल टोर दिये रे बादर अब्बड़ सोर परत रहिसे तोर सनसनावत आये के फेर तैं कौन मेर लरधिया के धपार दिये रे बादर।

– **कवि सुशील भोले**



डॉ. श्रीनाथ सहाय

विधानसभा चुनाव में मिली हार के झटके से अखिलेश अभी तक उबर नहीं पाए हैं। यदि यही हाल रहा तो 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते तक सपा भी शिवसेना जैसी हालत में आ जाए तो आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि गुलाबज सिंह यादव के बहिरो पर चले जाने के बाद अखिलेश का जो हदैवा है उसकी वजह से पार्टी का एकजुट बने रहना संभव नहीं लगता। यादवों के साथ मुसलमानों को जोड़कर बनाया गया एम. वाय समीकरण काठ की हंडी साबित हो चुका है। 2014 और 2019 के लोकसभा के अलावा 2017 तथा 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उ.प्र में जिस तरह अपने प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि की वह साधारण बात नहीं है। भाजपा जहां अपने मौलिक एजेंडे पर चलेते हुए 80 लोकसभा सीटों वाले इस प्रदेश में अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है वहीं सपा आत्मसुधता की शिकार होकर अपने मजबूत किले गंगाती ला रही है। इन नतीजों के लिए सपा के नए सहयोगी ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे अपने वातानुकूलित कमरे से ही बाहर नहीं निकले और नामांकन के अंतिम दिन प्रत्याशी घोषित किये।



विजय मिश्रा ‘अमित’

अंग्रेजी स्कूल के एकघर में एकदर अनपढ़ मक्की भी उटपटांग अंग्रेजी बोलने में आपनी शान समझती है। जिसे सुनकर न तो रोते बगता है, ओर न ही हंसे। इसके एक दो उदाहरण मुझे यहाँ याद आ रहे हैं। हमारे प्रोफ़ेस में एक पटेल जी का परिचय रहता है, जिनका नाती तथाकथित अंग्रेजी स्कूल में पढ़ता है। उसके साथ उनके बेटे पटर पटर करते पटेलिन बाई तोते की तरह दो-चार अंग्रेजी के शब्दों को रट डाली है। गिनिका प्रयोग आपनी सुविधा के मुताबिक कर लेती है। एक बार हम सपरिहार पटेलिन बाई के घर मिलने गये। उसी समय आपनी ब्रिटिया के विवाह का फोटो एलबम वह हमें दिखाते लगी।

अभिव्यक्ति

आजमगढ़ और रामपुर के जनादेश का निहितार्थ

इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश की राजनीति में उत्तर प्रदेश का विशेष स्थान है। यहां होने वाले छोटे से छोटे चुनाव नतीजों को देश की राजनीति का मूड समझने का पैमाना मान लिया जाता है। ये कहा जाए कि यूपी चुनाव के नतीजे देश की भावी राजनीति की दिशा और दशा तय करते हैं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। पिछले दिनों उपचुनाव के नतीजे घोषित हुए। देशभर की नजरे यूपी के आजमगढ़ और रामपुर सीटों के नतीजों पर गढ़ी थी। आजमगढ़ सीट समाजवादी पार्टी के प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और रामपुर सीट दिग्गज नेता आजम खां के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों पर मुस्लिम आबादी की बहुलता है। रामपुर में यह आबादी 50-55 फ़ैसदी से ज्यादा है। आजमगढ़ में मुस्लिम और यादव 50 फ़ैसदी से अधिक हैं। ये दोनों लोकसभा क्षेत्र समाजवादियों के मजबूत गढ़ रहे हैं। औसतन मुस्लिम वोट आज भी मोदी और भाजपा के खिलाफ हैं। ऐसे में भाजपा ने आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटें जीतकर सबको चौंका दिया है।

आजमगढ़ से भोजपुरी फ़िल्मी सितारे दिनेश लाल यादव निरुद्धा और रामपुर से घनश्याम लोधी ने जीत हासिल की। आजमगढ़ में तो सपा की हार का कारण बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली बने जिन्होंने तक़रीबन दो लाख मत हासिल कर लिए। उन्हें बड़ी संख्या में मुस्लिम मत मिलने से सपा को भारी नुकसान हुआ। इस सीट पर अखिलेश ने अपने चचेरे भाई धर्मेन्द्र को उतारा था। लेकिन रामपुर में 55 फ़ैसदी मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद भी वे आसिम राजा का 42 हजार से हार जाना सपा की चिंता बढ़ाने वाली बात है। इन परिणामों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक कद को और ऊंचा कर दिया। सबसे अच्छी बात ये हुई कि उ.प्र में जाति आधारित राजनीति अपना असर खोती जा रही है वहीं मुस्लिम मतदाताओं की भाजपा विरोधी गोलबंदी भी कारणर साबित नहीं हो रही। कहा जा रहा है कि मुस्लिम समुदाय का कुछ हिस्सा भाजपा की तरफ़ झुक रहा है जिसकी वजह सपा की

गिरती साख और धाक है। मुलायम सिंह यादव के अस्वस्थ होने के कारण अखिलेश के हाथ जबसे पार्टी की कमान आई है तबसे वह लगातार बिखराव और भटकाव का शिकार हो रही है। वास्तव में मुसलमानों के मन में ये बात घर करने लगी है कि सपा के भरोसे वे अपना राजनीतिक महत्व बरकरार नहीं रख पा रहे। काग्रिस डूबती नाव है और बसपा अपने बनाये जाल में फंस चुकी है। इस कारण उ.प्र के मुसलमानों के मन भी उथल-पुथल है। राम मंदिर का निर्माण तेजी



से होने के साथ ही एक तरफ ज्ञानवापी मस्जिद का विवाद गरमाया और दूसरी तरफ मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के मामले को भी हवा मिलने लगी। इस सबके बीच सपा या अन्य गैर भाजपा पार्टियाँ जिस तरह असहाय बनी हुई हैं उससे मुसलमानों को लगने लगा है कि या तो उनका अपना नेतृत्व होना चाहिए अथवा भाजपा के अंधे विरोध से बचकर उन्हें उसके साथ समन्वय बनाकर चलना चाहिए। अनेक मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी ज्ञानवापी और हाल ही में उठे नूपुर शर्मा विवाद पर जिस तरह का समझौतावादी रुख अपनाया वह इस बात का संकेत है कि मुस्लिम समुदाय के बीच भाजपा को लेकर विमर्श शुरू हो गया है।

सवाल यह भी है कि क्या अब मुसलमान भी प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रीय योजनाओं और गरीबोमुख कार्यक्रमों पर यकीन करने लगे हैं, क्योंकि हिस्सेदारी उन्हें भी मिल रही है? क्या मुसलमानों का एक तबका अब भाजपा की ‘अछूत’ नहीं मानेगा

चल संगी पढ़ने टाई में नाक पोंछने

बरसात का मौसम आते ही किसानों की भागदौड़ खेतों की तरफ होने लगती है। भागदौड़ की ऐसी ही स्थिति गाँव, शहर के छात्र-छात्राओं के पालकों की भी इस मौसम में स्कूल खुलने पर होने लगती है। वे अपना सब कुछ छोड़कर स्कूल की तरफ बढहवास भागने लगते हैं। हर साल की तरह यह नजारा इस बार भी इन दिनों साफ़ कीटाब की दुकानें सर्वत्र

से प्रचारित किया जा रहा है कि- “स्कूल चलें हम”। छत्तीसगढ़ी में लिखा जा रहा है कि- “चल संगी पढ़े बर, जिनगी ल गढ़े बर”। स्कूल खुलने का महीना नये पुराने स्कूलों के लिये तो रेलमपेल का माहौल लाता ही है।गाँव गली मोहल्ले में दो-चार कमरों में अंग्रेजी मीडियम स्कूल खुलने का भी सुअवसर यही महीना दे जाता है। बारिश में बाढ़ और बरसाती मेढक की तरह स्कूल के साथ ही साथ कापी किताब की दुकानें सर्वत्र दिखाई देने लगती है। शहर से दूर गाँव मजरा टोलों में जैसे टेलर की दुकान पर ट्यो बोर्ड में बड़े बड़े अक्षरों में “सूट स्पेशलिस्ट” लिखा होता है, ठीक उसी तरह गाँव शहर के लीडी-मोहल्ले में पान ठेलों की तरह खुले स्कूल के बोर्ड पर “‘अंग्रेजी मीडियम स्कूल’” हिन्दी भाषा में लिखा होता है। ऐसे स्कूलों की विशेषता यही होती है कि अंग्रेजी को भी यहाँ हिन्दी अंदाज में पढ़ाया जाता है। जितने मोहल्ले उतने स्कूल, फिर भी यथानुसार मोटी रकम की वसूली पालकों से स्कूल प्रबंधन करने में नहीं चूकता। रोते गाते सिसकते बच्चों को जबरन स्कूल ले जाते, उनकी बहती हुई नाक को पोंछते हुये पालकों की दशा देखकर कांजी हाऊस में जबरन गाय, बैल को कैद करने की याद हो आती है। ऐसे रंग ढंग को देखकर मन करता है कि- देख तेरे स्कूल की क्या हालत हो गई भगवान- कितना बढल गया इंसान। स्कूल भवन की दुर्दशा तो ऐसी कि दुबले को दो आषाढ़ वाली कहावत स्वमेव

उजागर होती है। स्कूल भवन के दरवाजे, खिड़की, खपरैल किसी बूढ़े बुजुर्ग के मुंह के दाँत की तरह गायब दिखाई देते हैं। यही वजह है कि स्कूल खुलने के समय में विद्यार्थी स्कूल के अंदर होते हैं और स्कूल की छुट्टी होने के बाद गाय,भैंस, कुत्तों का एकछत्र राज स्कूल में हो जाता है। शराबियों के लिये



भी पाठशाला, मधुशाला बनकर रह जाती है। पहले जमाने में एक स्लेट, बाल भारती और पहाड़ा की एक-एक किताब लेकर बच्चे स्कूल जाया करते थे। अब तो बच्चे के बस्ते का बोझ बच्चे से दिन ब दिन भारी होता दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि बच्चे के साथ उसकी माँ सज धज कर बस्ते को अपने कंधे में लटकाकर बच्चे को स्कूल छोड़ने जाती है। खुद भले ही अंगूथ छाप हो, पर बच्चे के साथ “ए” फार एम्पल बोलना नहीं भूलती। मम्मी डैडी के सुबह का पूरा वक बच्चे के टिफिन, पानी की बोतल, जूता-मोजा-टाई और ड्रेस को सजाने सँवारने में निकल जाता है। इसके बाद अलग से एक्सरसाईज करने की आवश्यकता उन्हें नहीं रह जाती। बच्चे के स्कूल जाते तक मम्मी डैडी के शरीर से

गंगा की धार की तरह पसीना बहते हुये दिखाई देता है।

अंग्रेजी स्कूल के चक्कर में पड़कर अनपढ़ मम्मी भी उटपटांग अंग्रेजी बोलने में अपनी शान समझती है। जिसे सुनकर न तो रोते बनता है, और न ही हंसे। इसके एक दो उदाहरण मुझे यहाँ याद आ रहे हैं। हमारे प्रोफ़ेस में एक पटेल जी का परिवार रहता है, जिनका नाती तथाकथित अंग्रेजी स्कूल में पढ़ता है। उसके साथ उठते बैठते चटर पटर करते पटेलिन बाई तोते की तरह दो-चार अंग्रेजी के शब्दों को रट डाली है। जिसका प्रयोग अपनी सुविधा के मुताबिक कर लेती है।एक बार हम सपरिवार पटेलिन बाई के घर मिलने गये। उसी समय अपनी ब्रिटिया के विवाह का फोटो एलबम वह हमें दिखाते लगी। एलबम के अधिकांश फोटो में पटेलिन बाई की ब्रिटिया का मुह लटका हुआ उदास-उदास दिख रहा था। इसे देखकर पटेलिन बाई झल्ल गई और बोली- ‘क्यों रे फोटु खींचाते समय चेहरे पर थोड़ा बहुत ‘इस्मेल’” नहीं ला सकती थी क्या? पटेलिन की बात

सुनकर हम मुँह दबाकर हंस पड़े, पर उसकी ब्रिटिया अंधे तरेरते हुये बोली- कैसे अंडबंड अंग्रेजी बोलती है, मम्मी। अरे फोटो खींचाते समय मुँह में इस्मेल नहीं ईस्माइल होना चाहिये, ऐसा बोल। मम्मी कहीं फोटो खींचाते समय मुँह में इस्मेल (बढू) ला दोगी तो फोटो खींचते वाला बिदक कर भाग जायेगा, समझी। अधकचरा अंग्रेजी ज्ञान बघारने वाले पटेल जी के घर में एक और मजेदार घटना घटित हुई थी। एक दिन उनका नाती भर दोपहरी में अपने पेट को दोनों हाथों से दबाते हुये स्कूल से भागते घर के दरवाजे पर पहुँचा और दरवाजे की संकली को खटखटाते हुये चिखने लगा- “‘दाई ओ दाई ओपन दी डोर’”।

बेचारा बच्चा दोनो हाथ से पेट को जोर जोर से दबाते

QUIZ TIME

- भारत किस देश की सरकार की तकनीकी सहायता से 12 राज्यों में 150 गांवों को ‘उत्कृष्टता के गांवों’ में परिवर्तित करेगा?
- नागरिक इंडियन मंत्रालय किस शहर में भारत का पहला हेली हब स्थापित करेगा?
- नुसंतारा को किस देश की नई राजधानी के रूप में चुना गया है?
- रेल यात्रियों को उनका खोया हुआ सामान वापस पाने में मदद करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई नई पहल का नाम बताएं?
- विश्व की सबसे बड़ी 500 मीटर लंबी और 70 मीटर चौड़ी नहर का ताला किस देश में अनावरण किया गया है?



आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1294- स्विट्जरलैंड के बर्ने प्रांत से यहूदियों को बाहर निकाला गया। 1868- क्रिस्टोफर श्लेस ने टाइपराइटर के लिए पेटेंट अधिकार हासिल किया। 1870- अदा केपले अमेरिका में लॉ कॉलेज से ग्रेजुएट करने वाली पहली महिला बनीं। 1876- सर्बिया ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1888- फ्रेडरिक डगलस अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकित होने वाले पहले अफ़्रीकी-अमेरिकी बने। 1894- सोलबॉन पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना हुई। 1914- दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिये आंदोलन करने के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पहली बार हुए गिरफ्तार। 1933- फासीवाद के खिलाफ एंटरप में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया। 1934- जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ

हिटलर ने अपनी नेशनल सोशियालिस्ट पार्टी में विरोधियों का सफाया कर दिया। 1937- दुनिया का पहला इमरजेंसी नंबर 999 को लंदन में जारी किया गया। 1938- बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक्स (डीसी कॉमिक्स एक्शन सीरीज भाग-1) में नजर आया। 1947- भारत के विभाजन की घोषणा के बाद आंग्ल और पंजाब के विभाजन के लिए बाउंडरी कमिशन के सदस्यों की घोषणा की गई। 1948- ब्रिटिश सेना की ऑफिस टुकड़ी इजरायल छोड़ स्वदेश को खाना हुयी। 1960- अमेरिका ने क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का निर्णय लिया। 1962- रवांडा और बुरुंडी देश स्वतंत्र हुए। 1966- अमेरिका का पहला महिला संगठन नेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर वुमेन का गठन किया गया।

न्यूज गैलरी

गोल्डन ट्रेड सेंटर के बिल्डर ने दुकानदारों को दिया धोखा

रायपुर/नवप्रदेश। नवकार एसोसिएट के बिल्डर संजय गोलाख एवं नवीन लालवानी ने अमलीडीह में गोल्डन ट्रेड सेंटर के तहत 422 दुकानों का निर्माण किया। दुकान बेचने से पूर्व बिल्डर ने ब्रोशर के माध्यम से अनेक सुविधाएं उपलब्ध करने की बात कही थी किन्तु रजिस्ट्री होने के बाद 6 माह के भीतर उक्त सुविधाएं दुकानदारों को उपलब्ध नहीं कराई गई। यहां तक दुकानों में अलग से बिजली मीटर भी नहीं लगवाया गया। उक्त आरोप प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में गोल्डन ट्रेड सेंटर शीप ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष भोजराज साहू, कीर्ति पटेल, डॉ. चन्द्रकांत, वी. के. श्रीवास्तव ने लगाया। पत्रकारवार्ता में भोजराज ने बताया कि 6-7 साल बीतने पर भी अब तक बिल्डर ने सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई है।

चूल्हा चौका करने वाले हाथ अब घरों को रोशन करने में

रायपुर/नवप्रदेश। कभी घर की चारदीवारी में चूल्ह चौका करने वाले हाथ इन दोनों एलईडी बल्ब बना रहे हैं, जिन्हसे लोगों के घर रोशनी हो रही है। अपनी कार्यकुशलता से ये महिलाएं एलईडी बल्ब सहजता से असेम्बल कर रही हैं। मक़्कन 10 दिनों के प्रशिक्षण में इन्होंने एलईडी बल्ब असेंबल करना सीख गई हैं। शिवकुमारी और मीना कुमारी इसे बखूबी बना रही हैं। इन्होंने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से असेम्बल की हुई बल्ब जलाकर दिखाई। मुख्यमंत्री ने कस इसी तरह जीवन में उजाला भरते रहें।

सीता, शांति, जूही का मजदूर से उद्यमी बनने का सफर

रायपुर/नवप्रदेश। कभी दूसरों के यहाँ मजदूरी करने वाली ग्राम कककोना की सीता, शांति और जूही अब उद्यमी हैं, उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा है कि ये आज एक सफल उद्यमी के रूप में अपने क्षेत्र में पधचानी ला रही हैं, और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। मनरोहेगा में मजदूरी और खेती बाड़ी में लगे हाथ आज आलू घिस के प्रोसेनिंग यूनिट के कुशल कारीगर हैं। दरअसल में ग्राम कककोना में मुख्यमंत्री ने जब कोशिया आलू घिस यूनिट का शुभारंभ किया तो इन महिला सदस्यों ने अपनी कहानी सुनाई। उन्होंने कस कि सर आपने हमें कारोवारी बना दिया, अब हम गर्व से यह काम कर रहे हैं। उन्होंने कस कि मजदूरी करते- करते लगने लगा था कि अब हमारी जिंदगी यही तक सिमट जाएगा। लेकिन आपकी गौजान योजना ने हमारी तकदीर बदल दी। गोजान में स्थापित इस यूनिट में प्रति दिन लगभग 8 हजार आलू घिस के पैकेट बनाए जा सकते हैं, इन्हें सी-मार्ट में बाजार उपलब्ध कराया गया है।

छ्मा में अब तक 121.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 121.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 29 जून तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-नरवाही जिले में सर्वाधिक 208.1 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 60.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 73.9 मिमी, सूरजपुर में 108.2 मिमी, जशपुर में 61.8 मिमी, कोशिया में 109.4 मिमी, रायपुर में 77.8 मिमी, बलौदाबाजार में 92.4 मिमी, गरियाबंद में 117.1 मिमी, महासमुंद में 125.0 मिमी, धमतारी में 117.8 मिमी, बिलासपुर में 115.0 मिमी, मुंगेली में 173.3 मिमी, रायगढ़ में 131.2 मिमी, जाजगीर-चापा में 176.4 मिमी, कोरबा में 150.9 मिमी, दुर्ग में 88.9 मिमी, कबीरधाम में 118.0 मिमी, राजनांदगांव में 116.2 मिमी, बालोद में 156.0 मिमी, बेगतरा में 100.2 मिमी, बस्तर में 134.8 मिमी, कोण्डागांव में 125.6 मिमी, कांकेर में 101.5 मिमी, नारायणपुर में 123.2 मिमी, दैतेवाड़ा में 114.0 मिमी, सुकमा में 116.5 मिमी और बीजापुर में 153.0 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

मोर महापौर मोर द्वार को गंभीरता से लेने के निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। आज नगर पालिक निगम रायपुर की मेयर इन काउंसिल एमआईसी की बैठक निगम मुख्यालय भवन महाला गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में महापौर एजाज डेबर की अध्यक्षता एवं आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष एवं निगम लोक कर्मा विभाग अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, एमआईसी सदस्य कुमार मेनन, नागभूषण राव, सुन्दर जोगी, दिनेश त्रिपाठी, अमीता कुमारी, आकाश तिवारी, सुरेश चम्पावार, जितेन्द्र अग्रवाल, श्रीमती अंजनी राधेश्याम विमर, श्रीमती द्रोपती हेमन्त पटेल,आर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल, सुनील चंद्रवंशी, अरविन्द शर्मा, सचिव डॉक्टर आर.के. डोगरे, सभी जोन कमिश्नररायणा, अधीक्षण अभिवक्ता, कार्यालयन अभियन्तागण सभी विभाग के प्रमारी अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। एमआईसी ने सामान्य प्रशासन विभाग के प्रस्ताव एमआईसी की प्राधिकारिता के अधीन पदों की पूर्ति पदेनिति से करने हेतु विगत दिनांक 20 जून 2022 की विभागीय पदेनिति समिति (डीपीसी) द्वारा अनुशंसित पदेनिति के प्रस्ताव पर विचार करते हुए प्रकरण में 5 एमआईसी सदस्यों ज्ञानेश शर्मा, कुमार मेनन, नागभूषण राव, सामान्य प्रशासन विभाग के अध्यक्ष रिशेश त्रिपाठी एवं सुन्दरलाल जोगी की समिति बनाने का निर्णय लिया गया। समिति 10 दिनों में अपनी रिपोर्ट एमआईसी के समक्ष प्रस्तुत करेगी। महापौर एजाज डेबर ने निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मोर महापौर मोर द्वार के आयोजन को गंभीरता से लेते हुए जनसमस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उनका त्वरित निदान करके अपने प्रशासनिक कार्य दायित्व का सही तरीके से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आरुक्त मयंक चतुर्वेदी ने कस कि कर्तव्य निर्वहन के प्रति लापरवाही किये जाने की स्थिति में सम्बंधित निगम अधिकारी एवं कर्मचारी अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करने के लिये तैयार रहें।

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य के अधिकांश निजी विश्वविद्यालयों द्वारा यूजीसी की गाइडलाइनों का पालन किए बिना छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। उन्हें डिग्रियां दी जा रही हैं। न तो इनमें पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर है और न ही अन्य संसाधन। ऐसे निजी विश्वविद्यालयों की स्थिति पर उच्च शिक्षा विभाग भी चुप्पी साध रखी है। प्रदेश में संचालित इन वि्वि की एकमात्र मंशा विद्यार्थियों से पैसे लेकर केवल डिग्री बांटना है। ये बिना पढ़ाए डिग्रियां बांट रहे हैं, उन पर नियंत्रण किसी का नहीं है। बता दें कि प्रदेश के एक कांग्रेस विधायक को फर्जी डिग्री देने का कुछ दिन पहले मामला सामने आया था। बावजूद इसके प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा ऐसे निजी विश्वविद्यालयों की खोज खबर नहीं ली जा रही है। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में शासकीय व निजी समेत 27 विश्वविद्यालय संचालित हैं। राज्य में अब निजी विश्वविद्यालयों राज्य सरकार के कानून और कायदे से बाहर होते जा रहे हैं और उन पर स्वयं विश्वविद्यालयों के ही कानून लागू होने की स्थिति आ गई है। एक चौंकाने वाली जानकारी के

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में अगस्त महीने में ‘कृष्ण कुंज’ का होगा लोकार्पण

‘कृष्ण कुंज’ में सांस्कृतिक महत्व के पौधों का होगा रोपण

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर ‘कृष्ण कुंज’ विकसित करने के लिए आगामी अगस्त माह में निर्धारित तिथि को एक साथ ‘कृष्ण कुंज’ का लोकार्पण किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के नगरीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर ‘कृष्ण कुंज’ विकसित करने के संबंध में घोषणा की गई है।

इस ताराम्य में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन सुब्रत साहू द्वारा राज्य के समस्त कलेक्टर तथा वनमंडलाधिकारी को पत्र भेजकर नगरीय निकायों में माह अगस्त में ‘कृष्ण कुंज’ के लोकार्पण के लिए सभी आवश्यक तैयारियों के



अनुसार प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों के लिए एक्ट तो सरकार विधानसभा में पारित कराती है, लेकिन उस अधिनियम पर नियम और उन नियम बनाने का काम खुद निजी विश्वविद्यालय ही कर रहे हैं। ऐसा प्रदेश के कुछ निजी विश्वविद्यालयों में हो रहा है।

25 एकड़ भूमि जरूरी
निजी विश्वविद्यालयों के लिए

बिना सुविधा बांट रहे छात्रों को डिग्रियां, उच्च शिक्षा विभाग बना मूकदर्शक

राज्य सरकार ने 25 एकड़ भूमि अनिवार्य की है। यूजीसी 107639 में शैक्षणिक, 10763 वर्ग फीट में प्रशासनिक भवन, 25 फीसद छात्रों के लिए छात्रावास की व्यवस्था का प्रावधान है।

स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं
यूसीजी के नियमों के तहत नेट क्वालीफाइड शिक्षकों की स्थायी

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप सभी नगरीय निकायों में विकसित किए जा रहे ‘कृष्ण कुंज’

संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि ‘कृष्ण कुंज’ की स्थापना हेतु स्वीकृति सहित आवश्यक कार्यवाही माह अगस्त के प्रथम सप्ताह तक हर हालत में पूर्ण कर ली जाए। पत्र में यह भी अवगत कराया गया है कि राज्य में एकरूपता प्रदर्शित करने हेतु ‘कृष्ण कुंज’ को विशिष्ट पहचान



कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा ‘कृष्ण कुंज’ को विकसित करने के संबंध में घोषणा की गई है कि हमारे देश में बरगद, पीपल, कदंब तथा अन्य वृक्षों की पूजा करने की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। मनुष्य के लिए वृक्षों की अत्यधिक उपयोगिता होने के कारण

छत्तीसगढ़ में शासकीय व निजी समेत 27 विश्वविद्यालय संचालित शासकीय विश्वविद्यालय - इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (राजनांदगांव) - पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय रायपुर - गुरु घसीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय कानी बिलासपुर - मो. ह्रिदायतुल्लभ विधि विश्वविद्यालय रायपुर - पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर - कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर - स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई - बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर - इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर - सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर - छग आयुष एवं स्वस्थ्य साईंस यूनिवर्सिटी रायपुर - अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर - उद्यानकी विश्वविद्यालय राजनांदगांव	- कामधेनु विश्वविद्यालय अंजोरा (दुर्ग) - शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ - हेमचंद्र विश्वविद्यालय दुर्ग निजी विश्वविद्यालय - महर्षि विश्वविद्यालय बिलासपुर - एएफटी यूनिवर्सिटी खरोरा तिलदा - मैट्स यूनिवर्सिटी आरंग रायपुर - कलिंगा यूनिवर्सिटी नया रायपुर - अमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर - आईएमटी यूनिवर्सिटी रायपुर - आईसीएफआई यूनिवर्सिटी रायपुर - आईएसबीएम यूनिवर्सिटी छुहा गरियाबंद - ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी रायगढ़ - श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी - रमन यूनिवर्सिटी कोटा बिलासपुर
---	---

नियुक्ति होनी चाहिए, लेकिन छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालयों में स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होती, छात्र शिक्षक अनुपात गड़बड़

रहता है, फीस तय करने में मनमानापन चल रहा है, प्रवेश देने में कोई मापदंड नहीं। प्रवेश जनवरी तक भी चलते रहते हैं। शिक्षकों की

काबिलियत का पालन नहीं हो पाता। यूजीसी ने शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जो नियम बनाए हैं, वे नहीं माने जाते।

द्रोपती मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने पर धन्यवाद

रायपुर/नवप्रदेश। द्रोपती मुर्मू को 75 वर्ष के इतिहास में देश का पहला आदिवासी राष्ट्रपति बनाने पर एनडीए की धन्यवाद मुर्मू को उम्मीदवार बनाने से देश-विदेश में भारत का महत्व विश्व पटल पर बढ़ा है।उक्त खुशी बांटने के लिए मीडिया के साथ छत्तीसगढ़ जनजाति गौरव सभाज के अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रेस क्लब पहुंचकर पत्रकारवार्ता के माध्यम से उक्त पहल को सराहनीय पहल बताया उन्होंने बताया कि संस्थान जनजाति की महिला को राष्ट्रपति बनाने से निश्चय ही आदिवासी सभाज का सम्मान बढ़ा है। भारत की गौरवशाली परम्परा एवं संस्कृति का यह जीता जागता प्रमाण है कि झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने अनेक स्मारणीय कार्य किए हैं। द्रोपती मुर्मू जिस दिन देश की राष्ट्रपति बनेंगी उस दिन सम्पूर्ण प्रदेश में आदिवासी सभाज मिठाई बांटकर फटाखे फोड़कर कर खुशिया मनाएगा। देश के 12 करोड़ आदिवासी जनजाति सभाज के लिए आजादी के अनूत महोत्सव के अवसर पर एनडीए ने देश को बहुमूल्य उपहार दिया है।

बारिश नहीं होने से पिछड़ा खेती किसानी का कार्य

रायपुर/नवप्रदेश। जून महीने में पर्याप्त वर्षा नहीं होने की वजह से रायपुर, जशपुर, सरगुजा तथा बलरामपुर में कमी का अंतर साठ प्रतिशत से अधिक हो चुका है जो चिंता का विषय है। बारिश नहीं होने की वजह इन जिलों में खेती-किसानी का काम पिछड़ने की आशंका है। दूसरी छत्तीसगढ़ में बने सिस्टम की वजह से अभी बारिश के आसार बने हुए हैं।अनुकूल स्थिति होने के बाद भी बारिश नहीं होने की वजह पर मौसम विशेषज्ञ चिंतन मनन में जुटे हुए है। जून माह बीतने को हैं मगर रायपुर में अधिकतम तापमान अभी सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी बारिश की संभावना बनी हुई है इसलिए मानसून ब्रेक की स्थिति नहीं माना जा



सकता है। वर्तमान में जो सिस्टम बना हुआ है इसके प्रभाव से अगले चौबीस घंटे में बस्तर में भारी बारिश होने का अनुमान है इसके बाद बारिश का विस्तार अन्य इलाकों में होने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले दो साल में जुलाई माह में मानसून ब्रेक की स्थिति बन गई थी मगर इस बार बन रहे सिस्टम से बारिश के कम ज्यादा स्थिति रहने के आसार बना हुआ है।

मोर महापौर मोर द्वार, बाल गंगाधर तिलक वाई के शिविर में 231 मामले निराकृत

रायपुर/नवप्रदेश। मोर महापौर मोर द्वार जोधरा के दूसरे दिन आज महापौर एजाज डेबर ने बाल गंगाधर तिलक वाई में जाकर जनता की समस्याओं और शिकायतों को सुना। इस दौरान 262 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 231 को तत्काल निराकृत कर लिया गया। शिविर के दौरान नगरिकों ने शिकायत की कि वाई में नाली बहने के रास्ते को बाउंड्रीवाल बनाकर रोक लिया है। जिस वजह से नाली का पानी आगे बढ़ नहीं पा रहा है और मोहल्ले में जलभराव की समस्या आ रही है। जोन के अधिकारियों ने बताया कि सम्बंधित व्यक्ति को उस जमीन का मालिकाना हक का कागज

प्रस्तुत करने के लिए पूर्व में ही कहा जा चुका है। इस पर जनशिकायत को देखते हुए महापौर ने दीवार को तत्काल तोड़ने के निर्देश दिए। शिविर में एक व्यक्ति नया नल कनेक्शन लगवाने का आवेदन लेकर आए थे। महापौर श्री डेबर उनके घर में आज ही नल कनेक्शन लगाने के निर्देश दिए।शिविर में ज्यादातर लोग नया राशन कार्ड बनाने, डुप्लीकेट राशन कार्ड, नया आधार कार्ड, आधार कार्ड में त्रुटि सुधार, श्रमिक कार्ड आदि बनाने के लिए आए थे। आज 262 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 231 निराकृत कर लिए गया। वहीं शेष 29 को भी जल्द से जल्द सुधार लेने के निर्देश दिए गए हैं।

। मांगने की भी जरूरत नहीं पड़ती जिससे झिझक भी नहीं होती है। मैं नियमित रूप से यहां आता हूं और अपनी जरूरत के अनुसार कंडोम ले जाता हूं। यहां पैसा भी नहीं देना होता है,’ राम सिंह बताते हैं।

यह ‘कंडोम कार्नर’ एक वर्ष पहले शुरू किया गया था और यहाँ के ‘कंडोम बक्स’ में एक सप्ताह में लगभग 50 कंडोम लोग लेकर जाते हैं। लोग बाजार से कंडोम खरीदने में झिझकते हैं ताकि कोई देख न ले या दुकानदार ही क्या सोचेगा। और बाजार से तो पैसे देकर खरीदना होता है।

शहरी कार्यक्रम प्रबंधक

डॉ. रवि जायसवाल कैंसर विशेषज्ञ का राष्ट्रपति स्वर्णपदक से सम्मान

रायपुर/नवप्रदेश। नई दिल्ली में 20 जून 2022 को नेशनल बोर्ड ऑफ़एक्जामिनेशन का 21 वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इसमें कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र मे स्वर्णपदक, डॉ. रवि जायसवाल कैंसर विशेषज्ञ को, केन्द्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री मान. मनसुख मंडविया तथा राज्य के मान. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार के द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ. रवि जायसवाल मेडिकल आंकोलाजिस्ट तथा हिमेटोलाजिस्ट कंसल्टेंट के रूप मे, वर्तमान मे रामकृष्ण केयर हास्पिटल, रायपुर मे कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति स्वर्णपदक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र मे, शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिये प्रदान किया जाता है। डॉ. रवि जायसवाल, कैंसर को विशेषज्ञ के रूप में गोल्डमेडल से, मेडिकल आंकोलाजी में, श्री हरीश राव थन्नोरी (मान.



वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्री, तेलंगाना सरकार) तथा श्री नंदमुरी बालकृष्ण (अध्यक्ष, अभिनेता तथा राजनेता) के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुब्रमणीश्वर राव (बी आई ए सी एच आर आई के मेडिकल डायरेक्टर) डॉ. सेंथिल राजप्पा BIACHRI के हैदराबाद मेडिकल्स आंकोलाजी के एचओडी तथा

सीईओ प्रभाकर राव आदि उपस्थित थे। डॉ. रवि जायसवाल ने अपने सम्मान के लिये सभी का आभार व्यक्त किया। रामकृष्ण कैंसर हास्पिटल जिले में 76.8% योग्य दर्पति आई.यू.सी.डी. इत्यादि शामिल है। दूसरे चरण में 11 जुलाई से 24 जुलाई तक चिकित्त करवाती है जबकि पुरुषों में यह प्रतिशत 0.5% ही है। पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ही जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के दौरान पुरुष नसबंदी पर विशेष जोर दिया जाता है और इसके लिए विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

27 जून से 24 जुलाई तक मनाया जा रहा है जनसंख्या स्थिरीकरण

डू कंडोम कॉर्नर से कंडोम लेना सुविधाजनक : लाभार्थी

रायपुर/नवप्रदेश। राम सिंह (28) अक्सर उरला के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आते हैं। इसलिए नहीं कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता बल्कि उनको यहीं के ड्रम्कंडोम कार्नर’ पर लगे हुए कंडोम बॉक्स से कंडोम लेना सुविधाजनक लगता है। ‘यहाँ कंडोम मांगने की कोई जरूरत नहीं होती है बल्कि जरूरत के अनुसार डिब्बे में से निकाल कर ले जाता हूँ। बिना रोक-टोक इसका लाभ मिलता है



(सीपीएम) ज्योत्सना ग्वाल ने बताया: क्षेत्र के सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों पर कंडोम बॉक्स बिना रकम के हैं। कंडोम बॉक्स से कीर्ना झिझक पुरुष कंडोम ले जाते हैं। साथ ही महिलाएं अनचाहे गर्भ से बचने के लिए गर्भनिरोधक साधन जैसे छाया



गोली और अंतरा इंजेक्शन के बारे में भी जानकारी और सुविधाएं दोनों लेती हैं। इसी कड़ी में जून 27 से शुरू हुए जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े में परिवार को नियोजित रखने के प्रयदे और सुविधाओं पर जोर रहेगा। यह पखवाड़ा 24

जुलाई तक दो चरणों में मनाया जाएगा। प्रथम चरण में लोगों को परिवार नियोजन के अस्थाई एवं स्थाई साधनों के बारे में जानकारी दी जायेगी और इस पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन की ‘बास्केट ऑफ़ चॉइस’ भी रखी

जायेगी जिनमें विभिन्न प्रकार के अस्थायी गर्भ निरोधक साधन रखे जायेंगे जो वहां से निशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं या इनकी सुविधा ली जा सकती है। इनमें प्लस, अंतरा इंजेक्शन, आई.यू.सी.डी. इत्यादि शामिल है। दूसरे चरण में 11 जुलाई से 24 जुलाई तक चिकित्त करवाती है जबकि पुरुषों में यह परिवार नियोजन की सेवाएँ सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क दी जाएंगी।

सुश्री ग्वाल ने आगे बताया:

नव दंपति को परिवार नियोजन के विषय में खुलकर चर्चा करनी चाहिए जिससे परिवार सुखी और समृद्ध रह सके और

माँ और शिशु का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहे। राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफ़एचएस-5) के आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले में 76.8% योग्य दर्पति आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों का उपयोग करते हैं। वहीं 58.2त महिलाएं नसबंदी करवाती है जबकि पुरुषों में यह प्रतिशत 0.5% ही है। पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ही जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के दौरान पुरुष नसबंदी पर विशेष जोर दिया जाता है और इसके लिए विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।



मुख्यमंत्री ने कहा- एक तरफ जनप्रतिनिधि एक तरफ अधिकारी बैठे हैं, जनप्रतिनिधि विधानसभा में योजना बनाते हैं तो अधिकारी उसको क्रियान्वित करते हैं.. योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है या नहीं, इसका पता लगाने साथ लेकर आया हूँ...



खेत से प्रसंस्करण इकाई तक सीता, शांति और जूही का मजदूर से उद्यमी बनने का सफर



कभी दूसरों के यहाँ मजदूरी करने वाली ग्राम कटकोना की सीता, शांति और जूही अब उद्यमी हैं, उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा है कि वे आज एक सफल उद्यमी के रूप में अपने क्षेत्र में पहचानी जा रही हैं, और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। मन्नेरगा में मजदूरी और खेती बड़ी में लगे हाथ आज आलू पिस के प्रोसेसिंग यूनिट के कुशल कारीगर हैं।

दरअसल में ग्राम कटकोना में मुख्यमंत्री ने जब कोरिया आलू पिस यूनिट का शुभारंभ किया, तो इन महिला सदस्यों ने अपनी कलानी सुनाई। उन्होंने कहा कि सर आपने हमें कोरोबारी बना दिया, अब हम गर्व से यह काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मजदूरी करते-करते लगने लगा था कि अब हमारी जिंदगी यही तक सिमट जाएगा। लेकिन आपकी गौतन योजना ने हमारी तकदीर बदल दी। गौतन में स्थापित इस यूनिट में प्रति दिन लगभग 8 हजार आलू पिस के पैकेट बनाए जा सकते हैं, इन्हें सी-मार्ट में बाजार उपलब्ध कराया गया है।

दफ्तरों में हितग्राहियों के काम आसानी से हों सकारात्मक वातावरण बनना चाहिए : सीएम

कार्यालय में हो सकारात्मक वातावरण, अधिकारी-कर्मचारी शासन तंत्र का अभिन्न अंग

अधिकारियों-कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करने लागू की गई पुरानी पेंशन योजना

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

रायपुर (नवप्रदेश)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैकुण्ठपुर के सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि शासकीय कार्यालयों में हितग्राहियों का काम आसानी से होना चाहिए। इसके लिए कार्यालयों में सकारात्मक वातावरण बनना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करें, जाति प्रमाण पत्र के कार्य नियमित रूप से हों। उपजातियों को भी प्रमाणपत्र मिलना चाहिए। तैदुपत्ता का बोनस और पारिश्रमिक वितरण त्वरित रूप से किया जाना सुनिश्चित करें, जंगली जानवर हमले में क्षतिपूर्ति के मुआवजा के प्रकरण लंबित न रहें। मुख्यमंत्री ने जिले के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में शासकीय योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन तथा आम जनता से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, संसदीय सचिव अम्बिका सिंहदेव एवं विधायक गुलाब कमरो और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अधिकारी-कर्मचारी शासन तंत्र का



अभिन्न अंग है। राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है, ताकि अधिकारियों-कर्मचारियों का भविष्य सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भेंट-मुलाकात के दौरान कल का बहुत अच्छा फीडबैक है। आप सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, ऐसे ही बेहतर कार्य करते रहें। वन अधिकार पत्र का अच्छा कार्य हुआ है। व्यक्ति का विकास हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी विभागीय दौड़ों के दौरान आम जनता से संवाद बना कर रहें। राशन कार्ड के प्रकार और पात्रता बताने जागरूकता अभियान चलाएं। राशन कार्ड में परिवार के सभी सदस्यों के नाम होना सुनिश्चित करें, कोई भी सदस्य न छूटे नहीं, बहरासी में महिला ने नाम दर्ज न होने शिकायत की थी। विद्युत कनेक्शन जहां सम्भव हो वहां पहुंचाएं। क्रेडिट के



अधिकारी सोलर लाइट के कार्य का प्रचार प्रसार करें। हाफ बिजली बिल योजना का क्रियान्वयन सौ प्रतिशत सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के अस्थायी जाति प्रमाण पत्र बनाए गए हैं, उन्हें समय-सीमा में स्थायी जाति प्रमाण पत्र जारी करें, वैध उत्तराधिकारी को प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं, स्कूल में अभियान चला कर आठवीं के ऊपर की कक्षाओं के विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना शत प्रतिशत सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि ग्राम सभा को अविवादित नामांतरण बटवारे के अधिकार पहले से हैं, इस विषय में कोई दुविधा नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि गर्म भोजन से कुपोषण दूर होगा, इस दिशा में लगातार बेहतर कार्य हों। आत्मानंद स्कूल के साथ और स्कूल

भी अच्छे से चलने चाहिए। जिले में हाट बाजार क्लीनिक का अच्छा कार्य हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से हाट बाजार क्लिनिक का व्यापक प्रचार करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की आय में वृद्धि होने चाहिए। इसके लिए शासन कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कृषि के प्रति रुझान बढ़ा है, रकबा और किसानों की संख्या बढ़ी है, कृषि में लोगों की आय में वृद्धि हो रही है। लघु वनोपजों और वनोपधियों से लोगों की आय में वृद्धि होनी चाहिए, वनोपधि प्रसंस्करण केंद्र बनना चाहिए। वनोपधि प्रसंस्करण केंद्र बनने से लोगों को ज्यादा कीमत मिलेगी और पलायन रुकेगा। गांव में सभी आवश्यक चीजें मौजूद हैं। शुद्ध और प्राकृतिक चीजों की मांग बढ़ी है। राजस्व अर्जन की दिशा में कार्य होना चाहिए, जुट के कार्य करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले को दी पांच एम्बुलेंस की सोगात



रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज कोरिया जिले के मुख्यालय बैकुण्ठपुर के विश्राम गृह से जिले के पांचों विकासखण्ड के लिए सासंद निधि द्वारा प्रदत्त 5 एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोरिया जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार व दूरस्थ क्षेत्रों में त्वरित आपात चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में ये एम्बुलेंस उपयोगी साबित होंगी। गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, संसदीय सचिव श्रीमती अम्बिका सिंहदेव एवं विधायक श्री गुलाब कमरो इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कटकोना में एनीकट निर्माण का किया भूमिपूजन



मुख्यमंत्री ने मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के कटकोना में एनीकट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसकी लागत 6.75 करोड़ लागत है। यह मल्टी विलेज वाटर सप्लाई योजना के अंतर्गत बरदर जल प्रदाय समूह का हिस्सा है। इस एनीकट का निर्माण बुधरा नदी पर किया जा रहा है। इसमें 33 गांव शामिल होंगे। इन 33 गांवों के 30 हजार से ज्यादा लोगों को इस एनीकट का लाभ मिलेगा। यह एनीकट पेयजल और निस्तारी के लिए उपयोग होगा।

प्राचीन शिव मंदिर में सीएम ने की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज बैकुण्ठपुर के प्रेमा बाग स्थित भगवान शिव के प्राचीन मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर के पुजारी प्रहलाद मिश्रा ने बताया कि यह अति प्राचीन मंदिर है, जिसे सन 1921 में तत्कालीन मलराजा के दायन ने अपनी पत्नी प्रेमा देवी की स्मृति में बनवाया था। प्रत्येक सोमवार को मठों के द्वारा यहां विशेष पूजा आराधना की जाती है। प्रेमा देवी की स्मृति में यहां प्रेमा बाग भी अवस्थित है। इसी परिपत्र में हनुमान मंदिर भी नगरवासियों की आस्था का केंद्र है। मंदिर के 88 वर्ष के वयोवृद्ध महंत तुलसी पुरी से मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद लिया और उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल देने के निर्देश कलेक्टर को दिए। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, संसदीय सचिव अम्बिका सिंहदेव एवं विधायक गुलाब कमरो इस अवसर पर उपस्थित थे।

चूल्हा चौका करने वाले हाथ अब घरों को रोशन करने में जुटे हैं



कभी घर की घादीवारी में चूल्हा चौका करने वाले हाथ इन दिनों एलईडी बल्ब बना रहे हैं, जिनसे लोगों के घर रोशनी हो रही है। अपनी कार्यकुशलता से ये महिलाएं एलईडी बल्ब सहजता से असेम्बल कर रही हैं। महज 10 दिनों के प्रशिक्षण में इन्होंने एलईडी बल्ब असेम्बल करना सीख लिया है। शिवकुमारी और मीना कुमारी इसे बखूबी बना रही हैं। इन्होंने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से असेम्बल किया बल्ब जलाकर दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा इसी तरह जीवन में उजाला भरते रहें।



कोरिया विश्राम गृह में मुख्यमंत्री को गाई ऑफ ऑनर दिया गया



मुख्यमंत्री ने गौरवा विहारी बैकुण्ठपुर द्वारा संचालित लेटी बैंक वाहन के कार्यों की सराहना की...



पारम्परिक व्यंजन बथुआ, सुक्सी भाजी, मुनगा सब्जी, तोरई सब्जी और लकड़ा चटनी का लिया स्वाद। सीएम ने ग्राम पारडोल के किसान मनकेश्वर सिंह के घर किया दोपहर का भोजन।



मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कटकोना मल्टीयूटीलिटी सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर महिला स्वसहायता समूह द्वारा बनाये गए आलू पिस का स्वाद लिया और गुणवत्ता की सराहना की।

प्रथम पेज का शेष

उदयपुर हत्याकांड पर...

और प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया

कुछ युवकों ने धारदार हथियार से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। हमले में भीम थाने के कॉन्स्टेबल संदीप चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल कॉन्स्टेबल को ब्यावर रेफर किया गया। हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उन्हें अजमेर रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राहुल जैन, सिटी थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह जोधा, अजमेर एसपी विकास शर्मा और जिला कलेक्टर अंशुदीप भी अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल के बाहर भारी तादाद में पुलिसबल तैनात है। बता दें कि हत्याकांड के बाद दोनों आरोपियों को राजसमंद के भीम इलाके से ही गिरफ्तार किया गया था।

प्रदर्शनकारियों की भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस ने 10 राउंड से ज्यादा हवाई फायरिंग की। करीब 8 राउंड खंडू की गोलियां फायर की गईं। सर्कल इंस्पेक्टर ने अपनी पिस्तौल से चार फायर किए। प्रदर्शनकारियों की भीड़ समुदाय विशेष के इलाके में घुसने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। कई

लोग घायल हुए। रात से अभी तक पुलिस 4 बार प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कर चुकी है।

उदयपुर घटना की ...

आया कि घटना प्रथम दृष्ट्या आतंक फैलाने के उद्देश्य से की गई है। दोनों आरोपियों के दूसरे देशों में भी संपर्क होने की जानकारी सामने आई है। इस घटना में मुकदमा यूएपीए के तहत दर्ज किया गया है इसलिए अब आगे की जांच एनआईए द्वारा की जाएगी जिसमें राजस्थान एटीएस पूर्ण सहयोग करेगी।

कटुपरिस्थितियों की कूरता ...

कोई पैदल तो कोई बाइक या साइकिल से, हर कोई कहैया को अंतिम विदाई देना चाहता था। पूरे रास्ते लोग नारेबाजी करते गए। रमेशान घाट में भी जब तक कहैया का अंतिम संस्कार हुआ, लोग नारे लगाते रहे। इससे पहले पोस्टमार्टम के बाद कहैयालाल का शव घर ले जाया गया, तो घर में कोहराम मच गया। उनकी पत्नी जशोदा ने कहा कि हत्याओं को फांसी की सजा दी जाए, नहीं तो ये लोग कई लोगों को मारेगे।

पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में बहस भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कहासुनी के कारण अंतिम संस्कार में कुछ देर हुई। भाजपा नेता पकड़ गए कुछ कार्यकर्ताओं को रिहा करने की मांग कर

रहे थे। मावली विधायक धर्मनारायण जोशी और उनके समर्थक भी मौजूद थे।

6 अगस्त को होगा...

वहीं, उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 22 जुलाई होगी। राष्ट्रपति चुनाव के लिए अगर मतदान की जरूरत पड़ती है तो उसके लिए 6 अगस्त को वोट डाले जाएंगे। मतदान का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान के दिन ही वोटों की गिनती भी की जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

पीएम मोदी बंगलुरु...

सफर में बॉश इंडिया मोबिलिटी सॉल्यूशंस, औद्योगिक प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता सामान और ऊर्जा और भवन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और सेवाओं का अग्रणी आपूर्तिकर्ता का टैग हासिल कर लिया है। इसके अलावा, बॉश इंडिया एंड टू एंड इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी समाधानों के लिए जर्मनी के बाहर सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। बॉश ने भारत में 1922 में सबसे पहले कलकत्ता (अब कोलकाता) में अपनी पहली बिक्री एजेंसी की स्थापना की थी और 1952 में बेंगलूर (अब बंगलुरु) अपना निर्माण कार्य शुरू किया। इसके बाद कंपनी का विस्तार हुआ। वर्तमान में कंपनी के देश भर में

18 निर्माण कार्य स्थल और सात विकास और अनुप्रयोग केंद्र मौजूद हैं।

अग्निवीर बीजेपी के ...

मुझे इस अनुरोध के साथ पत्र भेजा था। लेकिन हम भाजपा के कचरे के डिब्बे को साफ क्यों करें? जब केंद्र उन्हें चार साल के बाद छोड़ देगा, तो राज्य उन्हें पूरे कार्यकाल की नौकरी देने की जिम्मेदारी क्यों उठाए? केंद्र उन्हें 60 वर्ष का पूरा होने तक सैनिक के तौर पर पूरा कार्यकाल देने की जिम्मेदारी क्यों नहीं उठाता? समाचार एजेंसी वार्ता के अनुसार, तुणमूल कांग्रेस प्रमुख बनजी ने अग्निपथ योजना को वोट बटोरने तथा ठग और कैड बनाने के लिए भाजपा का 'लॉलीपॉप' करार दिया। बनजी ने विधानसभा में अपने संबोधन में कहा, 'अग्निपथ वास्तव में एक भाजपा कैडर गठन परियोजना है। यह अलग बात है कि केंद्र युवाओं को स्थायी नौकरी देता है, लेकिन अग्निपथ वास्तव में चार साल का लॉलीपॉप है। चार साल बाद उनके पास बंदूक चलाने की मंजूरी होगी और उसके बाद वे क्या करेंगे? यदि ऐसा है तो भाजपा युवाओं को ठग रही है!'

यूपी-बिहार में आकाशीय ...

गई। पूर्वी चंपारण के चार, भोजपुर-सारण के तीन-तीन, पश्चिमी चंपारण के दो तथा अररिया, बांका,

मुजफ्फरपुर व सारण के एक-एक व्यक्ति की आकाशीय बिजली गिन्ने मौत हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले 24 घंटे ऐसे में वज्रपात के साथ भारी बारिश की आशंका बनी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं पर शोक जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपए बतौर अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं।

बिहार विधानसभा ...

बीजेपी के अभी विधानसभा में 77 विधायक हैं। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद 75 विधायकों के साथ आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। उपचुनाव में एक सीट पर जीत मिलने के बाद आरजेडी के विधायकों की संख्या 76 हो गई। इसी साल मार्च महीने में बीजेपी ने मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को तोड़कर उसके तीनों विधायकों को अपने खेमे में शामिल कर लिया था। इसके बाद आरजेडी को पीछे छोड़कर बीजेपी 77 विधायकों के साथ बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बन गई। पिछले कुछ दिनों से तेजस्वी यादव आरजेडी को फिर से नंबर वन पार्टी बनाने की कवायद में जुटे थे। इसके लिए वे एआईएमआईएम के नेताओं के संपर्क में थे। तेजस्वी एआईएमआईएम का अपनी पार्टी में विलय करवाना चाहते थे।

